नई दिल्ली, बुधवार
23 सितंबर, 2020
नोएडा
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 16+4=20

दैनिक जागरण

www.jagran.com

दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

टाटा के शेयर अभी गिरवी नहीं रखे एसपी ग्रुप : सुप्रीम कोर्ट 8

अभाव में विश्वास के संकट से गुजर रहा यूएन : मोदी 13

बॉलीवुड पर छाई यमुना की 'माया'

फिल्म सिटी के बनने से लोगों को मिल सकेगा रोजगार

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गजों पर यमुना प्राधिकरण का जादू चल गया। जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट, यमुना एक्सप्रेस वे जैसी ढांचागत सुविधाओं के आकर्षण में फिल्म उद्योग के दिग्गज ऐसे बंधे कि उन्होंने दिल्ली से सटे नोएडा, ग्रेटर नोएडा को पीछे छोड़ते हुए यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में फिल्म सिटी के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी। सितंबर में यह दूसरा मौका है, जब यमुना प्राधिकरण के खाते में बड़ी परियोजना आई है।

आधारभूत ढांचे की बदौलत यमुना प्राधिकरण निकला आगे

फिल्मी सिटी की रेस में नोएडा, ग्रेटर नोएडा को पीछे छोड़कर आगे निकलने की वजह यमुना प्राधिकरण का आधारभूत ढांचा भी है। प्राधिकरण ने यमुना एक्सप्रेस वे से सटे सेक्टर 21 को फिल्म सिटी के लिए प्रस्तावित किया है। इससे मात्र छह किमी की दूरी पर जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनने जा रहा है। इसके अलावा दिल्ली वाराणसी हाई स्पीड ट्रेन कॉरिडोर भी यमुना प्राधिकरण क्षेत्र से होकर गुजरेगा। जेवर एयरपोर्ट के नजदीक इसका स्टेशन होगा। मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट कनेक्टिविटी जैसी सुविधाओं के कारण यमुना प्राधिकरण फिल्म सिटी के लिए बेहतरीन विकल्प बना है।

विकास को लगेंगे पंख

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बाद फिल्म सिटी बसने से यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के विकास को भी पंख लगेंगे। प्राधिकरण सर्विस इंडस्ट्री की भी पहली पसंद बनकर उभरेगा। होटल से लेकर मनोरंजन केंद्र प्राधिकरण की योजनाओं में शामिल है। एयरपोर्ट के पास विकसित होने वाली एयरोसिटी में प्राधिकरण इस तरह की सुविधाओं के लिए संभावनाएं तलाश रहा है। मथुरा के निकट राया में प्राधिकरण का शहरी केंद्र प्रस्तावित है। इसे पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने की योजना है। फिल्म सिटी ने इन संभावनाओं को और बढ़ा दिया है।

बढ़ेगा राजस्व

फिल्मी इंडस्ट्री में रोजगार की असीम संभावनाएं हैं। कलाकारों से लेकर तकनीशियन, सेट डिजायनर, साउंड, लाइट, कारीगर, पोशाक बनाने से लेकर फिल्म निर्माण में पर्दे के पीछे अहम भूमिका निभाने वाले इसमें शामिल हैं। मुंबई फिल्म इंडस्ट्री में उत्तर प्रदेश के बड़ी संख्या में लोग काम कर रहे हैं। उन्हें अपने प्रदेश में रहकर रोजगार का मौका मिलेगा। फिल्म एवं इसके साथ विकसित होने वाले अन्य उद्योग, कारोबार से प्रदेश सरकार के राजस्व में इजाफा होगा।

जमीन की उपलब्धता का मिला फायदा

फिल्म सिटी के लिए यमुना प्राधिकरण पहली पसंद बनने की एक वजह जमीन की उपलब्धता भी है। नोएडा व ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने करीब पांच सौ एकड़ जमीन पर फिल्म सिटी का प्रस्ताव तैयार किया था, लेकिन यमुना प्राधिकरण ने सेक्टर 21 एक हजार एकड़ जमीन पर फिल्म सिटी का प्रस्ताव तैयार किया। सेक्टर में करीब छह सौ एकड़ जमीन प्राधिकरण के कब्जे में है। फिल्मी दिग्गजों को प्रस्ताव आने के बाद प्राधिकरण शेष जमीन की खरीद फरोख्त करेगा। जरूरत पड़ने पर आस पास के औद्योगिक सेक्टरों में भी फिल्म सिटी के लिए भूखंड आवंटन की संभावनाएं होंगी।

सितंबर में दूसरी बड़ी उपलब्धि प्राधिकरण के खाते में

यमुना प्राधिकरण के लिए सितंबर अच्छा रहा है। एक माह में ही प्राधिकरण की झोली में दो बड़ी परियोजनाएं आई हैं। फिल्म सिटी से पहले प्रदेश सरकार ने प्राधिकरण को मेडिकल डिवाइस पार्क के लिए भी चुना है। हालांकि इसके प्रस्ताव पर अंतिम फैसला केंद्र सरकार करेगी।

भरत की धरती पर अपनी चमक बिखेरेंगे फिल्मी सितारे

धर्मेंद्र घंटेल ● ग्रेटर नोएडा

गंगा-यमुना के बीच बसा उत्तर प्रदेश का जेवर क्षेत्र भारतीय संस्कृति, सभ्यता और समृद्ध परंपरा का महत्वपूर्ण केंद्र बनने जा रहा है। 1990 में नोएडा में फिल्म सिटी का सपना देखा गया था, लेकिन वह राजनीतिक कारणों से साकार नहीं हो सका। योगी सरकार अब इसे मूर्त रूप देने जा रही है। सीएम योगी के फैसले से भरत की धरती पर कला के उन सितारों को हुनर दिखाने का मौका मिलेगा, जो बॉलीवुड में जाकर खो जाते हैं। फिल्मी दुनिया में 85 फीसद तकनीशियन उत्तर प्रदेश के निवासी हैं। अब इन लोगों को अपने गृह राज्य में रोजगार मिल सकेगा।

भारत का नाम शकुंतला के पुत्र भरत के नाम पर पड़ा। गंगा-यमुना के बीच के हस्तिनापुर क्षेत्र को भारत की आत्मा कहा जाता है। इसका पौराणिक, ऐतिहासिक व धार्मिक महत्व है। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में बनने वाली फिल्म सिटी में इसको दर्शाया जाएगा। मुंबई में बनने वाली अधिकांश फिल्में हिंदी भाषी होती हैं। उत्तर प्रदेश को हिंदी भाषी राज्यों की आत्मा कहा जाता है, लेकिन वहां कोई फिल्म सिटी नहीं है। 1990 में यहां फिल्म सिटी बनने का सपना देखा गया, लेकिन उसे साकार नहीं किया गया। हिंदी भाषी राज्यों का सपना पूरा होगा। इन राज्यों के कला के सितारों को अपना हुनर दिखाने का मौका मिलेगा।

फिल्म सिटी की विशेषता

- मथुरा - वृंदावन से 60 व आगरा से 100 किमी की दूरी पर होगी फिल्म सिटी
- जेवर में बनने वाले इंटरनेशनल एयरपोर्ट का समीप होना
- रेल, सड़क मार्ग से हर तरफ से जुड़ा है यमुना सिटी का यह क्षेत्र
- दिल्ली से मात्र एक घंटे का रास्ता

> यमुना प्राधिकरण क्षेत्र को फिल्म सिटी के लिए चुना गया है। विस्तृत प्रस्ताव मिलने के बाद कार्रवाई आगे बढ़ाई जाएगी। फिल्म सिटी से कारोबार व रोजगार के अवसर और बढ़ेंगे।
> -**डॉ. अरुणवीर सिंह,** सीईओ यमुना प्राधिकरण

निर्माण की सभी सुविधाओं से लैस होगी फिल्म सिटी

जारसा, ग्रेटर नोएडा: यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में विकसित होने वाली फिल्म सिटी का शुरुआती खाका तैयार किया गया है। फिल्म सिटी को पांच जोन में विकसित किया जाएगा। इसमें होटल, स्टूडियो, फूड कोर्ट से लेकर शूटिंग के लिए इंडोर व आउटडोर लोकेशन होंगी। फिल्म सिटी का पूरा स्वरूप विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के बाद सामने आएगा।

सीएम की अध्यक्षता में लखनऊ में हुई बैठक में यह तय हो गया है कि फिल्म सिटी यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर 21 में एक हजार एकड़ भूमि पर बनाई जाएगी। जहां फिल्म निर्माण से जुड़ी सभी सुविधाएं एक जगह पर होंगी। बाहर से आने वाले कलाकार व अन्य लोगों के रहने की सुविधा भी होगी। फिल्म सिटी में न सिर्फ फिल्मों का निर्माण होगा, बल्कि इसे पर्यटन के केंद्र के तौर पर विकसित किया जाएगा। इंडस्ट्री की जरूरतों को देखते हुए फिल्म सिटी का शुरुआती खाका खींचा गया है। यहां विश्वविद्यालय एवं एकेडमी की भी योजना है। इसमें फिल्म निर्माण संबंधी पढ़ाई की व्यवस्था होगी।

पांच जोन में बंटेगी फिल्म सिटी: जोन एक में प्रवेश द्वार, टिकट काउंटर, सिटी एक्टिविटी ग्राउंड, कार्यालय, पावर स्टेशन, तीन सितारा होटल व शॉपिंग कॉम्प्लेक्स होंगे। जोन दो में फूड कोर्ट, गार्डन, आउटडोर व इंडोर राइड्स, आउटडोर लोकेशन, महल आदि होंगे। जोन तीन में शूटिंग के लिए गांव, सिटी एक्टिविटी ग्राउंड, विश्व के सात अजूबों के मॉडल, तालाब व बजट होटल होंगे। जोन चार में क्लब हाउस, सर्वेंट क्वार्टर, पावर स्टेशन आदि होंगे। जोन पांच में आगंतुकों के लिए पवेलियन, एयरपोर्ट ऑफिस, सेवा ब्लॉक, वेवर हाउस आदि होंगे। एम्यूजमेंट पार्क, स्पेशल इफेक्ट स्टूडियो आदि भी होंगे।

जेवर एयरपोर्ट के बाद फिल्म सिटी का तोहफा

संसद, जेवर : प्रदेश सरकार द्वारा यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर 21 में फिल्म सिटी के निर्माण की घोषणा ऐतिहासिक कदम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जेवर विधानसभा क्षेत्र में जेवर एयरपोर्ट के बाद फिल्म सिटी का तोहफा प्रदेश की जनता को दिया है, इसके लिए क्षेत्र की जनता उनकी आभारी रहेगी। यह बातें मंगलवार को जेवर विधायक ठाकुर धीरेंद्र सिंह ने कहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में जेवर क्षेत्र लगातार तरक्की कर रहा है। फिल्म सिटी की स्थापना से उत्तर भारत विशेषकर दिल्ली, एनसीआर के उन कलाकारों को लाभ मिलेगा, जिन्हें अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर नहीं मिल पाता था। गौतमबुद्ध नगर जिले में फिल्म सिटी की स्थापना से अप्रत्यक्ष व प्रत्यक्ष रूप से लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा।